दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, शनिवार 05 जून 2021

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट-भ्रांतियों को दूर करना

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सेंट्रल विस्टा परियोजना के मामले में आठ महीनों तक हुई 28 सुनवाईयों के बाद, 5 जनवरी 2021 को परियोजना के लिए मंजूरी दे दी। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस संबंध में सभी वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा किया गया है और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए ही अनुमोदन लिया गया है। इन मंजूरी के बावजूद भी, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के खिलाफ ग़लत और झूठी बयानबाजी का एक अत्यंत तीखा और विरोधी अभियान जारी रहा। 31 मई 2021 को, दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण को राष्ट्रीय महत्व की एक आवश्यक परियोजना के रूप में जारी रखते हुए एक याचिका को खारिज कर दिया जिसमें इसके निर्माण पर रोक लगाने की मांग की गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ताओं द्वारा यह याचिका किसी ख़ास मकसद से दायर की गई है और यह वास्तविक जनहित याचिका नहीं है।सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के काम को रोकने का यह नवीनतम प्रयास है। परियोजना के खिलाफ दी गई अन्य कानूनी/राजनीतिक चुनौतियां विपक्ष के द्वारा लगातार चलाए जा रहे भ्रामक अभियान का हिस्सा है, जिसके माध्यम से अत्यधिक राष्ट्रीय महत्व और गौरव के लिए हो रहे इस निर्माण कार्य में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। संपूर्ण सेंट्रल विस्टा परियोजना में सरकार के 51 मंत्रालयों/विभागों के लिए दस भवन, एक नया सम्मेलन केंद्र, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए आवास आदि शामिल हैं और इस परियोजना को पूरा होने में पांच वर्ष लगेंगे। नए संसद भवन और सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के पुनर्विकास की केवल दो परियोजनाओं की लागत क्रमशः 862 करोड़ और 477 करोड़ पर अब तक निर्णय लिया गया है। इस मामले में परियोजना के खिलाफ किए जा रहे झूठे दुष्प्रचार और द्वेषपूर्ण बयानबाजी में सबसे दुखद की बात यह थी कि इस पक्ष को पूरी तरह से भुला दिया गया कि एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार का ही यह कर्तव्य है कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के अनुरूप शासन प्रणाली प्रदान करे। नया संसद भवन भी अब ऐसा ही बनने जा रहा है। नीति संबंधी कमियों से ग्रस्त पिछली सरकार के द्वारा बंधन में रखे गए इस फैसले को वर्तमान सरकार द्वारा कार्यान्वित कर दिया गया। मौजूदा संसद भवन के भीतर जगह की कमी 2026 के बाद और भी गंभीर हो जाएगी जब संसद की क्षमता को बढ़ाने पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया जाएगा। भारत की जनसंख्या में वृद्धि को प्रतिबिंबित करने के लिए संसद के दोनों सदनों की संख्या में वृद्धि होना तय है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने एक नए संसद भवन की आवश्यकता के बारे में लिखने के साथ-साथ इस पर बयान भी दिए हैं। 2012 में माननीय स्पीकर के कार्यालय ने, वास्तव में, एक नए संसद भवन के निर्माण को मंजूरी देते हुए शहरी विकास मंत्रालय को लिखा था। आज जब यह परियोजना अचानक ही लागू की जा रही है तो लगता है कि इसी पार्टी के नेता सामूहिक रूप से भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। इस सब में सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इस पार्टी के नेताओं के पास अपने दादा और दादियों के बंगलों को आसानी से स्मारकों में परिवर्तित करने की अरुचिकर विरासत तो है, पर यहीं लोग अब जानबूझकर इस समूची सेंट्रल विस्टा परियोजना को मोदी महल के रूप में दिखा रहे हैं, जिसकी कुल लागत को नए मोदी आवास की लागत के तौर पर दर्शाया जा रहा है। भले ही सरकार जमीन की मालिक है, लेकिन वर्षों से यह अपने स्वयं के कार्यालयों के लिए ही इन जगहों के लिए किराया देने के तौर पर सालाना 1,000 करोड़ रुपये का भारी भरकम खर्च कर रही है। अब इसके संबंध में इनका दोहरा चरित्र झलकता हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर के अधिकतम मामलों के बीच ही लगभग 10 लाख वर्ग फुट के एक विधायक छात्रावास के लिए 900 करोड़ का टेंडर जारी किया!

-हरदीप एस पुरी

आरबीआई ने विकास दर का अनुमान एक प्रतिशत घटाया

मुंबई। ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 का संक्रमण फैलने से चिंतित रिजर्व बैंक आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के विकास अनुमान में एक प्रतिशत की कटौती की है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की आज समाप्त तीन दिवसीय बैठक के बाद जारी बयान में वित्त वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। इससे पहले अप्रैल की बैठक के बाद आरबीआई ने कहा था कि 2021-22 में विकास दर 10.5 प्रतिशत रहेगी। कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर पहली तिमाही के विकास अनुमान में बड़ी कटौती की गई है। इसे 26.2 प्रतिशत से घटाकर 18.5 प्रतिशत कर दिया गया है। जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही का जीडीपी विकास अनुमान भी 8.3 प्रतिशत से घटाकर 7.9 प्रतिशत किया गया है। बयान में कहा गया है ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है और सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से इसके मजबूत बने रहने के संकेत मिलते हैं। वहीं, ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 का संक्रमण फैलने से विकास दर में गिरावट की आशंका है। टीकाकरण तेज होने के साथ आर्थिक गतिविधियों के सामान्य होने की उम्मीद में तीसरी और चौथी तिमाही के अनुमानों में वृद्धि की गई है। तीसरी तिमाही के लिए विकास दर का अनुमान 5.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही के लिए 5.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत किया गया है। केंद्रीय बैंक ने उम्मीद जताई है कि आने वाले महीनों में टीकाकरण तेज होगा जिससे आर्थिक गतिविधियां जल्दी सामान्य होंगी। वैश्विक स्तर पर आर्थिक मजबूती से निर्यात को गति मिलेगी। आरबीआई के अनुसार, महामारी की दूसरी लहर के कारण शहरी क्षेत्र से मांग में कमी आई है, लेकिन कारोबारी इस माहौल के अनुसार खुद को ढाल रहे हैं जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दुष्प्रभाव कम रहने की संभावना है, खासकर विनिर्माण और ऐसे सेवा क्षेत्रों में जहां संक्रमण की आशंका कम होती है।

आरबीआई ने सिडबी को दी 16 हजार करोड़ रुपये की विशेष लिक्विडिटी

मुंबई। आरबीआई एमएसएमई को और समर्थन देने के लिए सिडबी को 16,000 करोड़ रुपये की विशेष लिक्विडिटी की सुविधा दे रहा है। यह अप्रैल में घोषित 15,000 करोड़ रुपये की लिक्विडिटी सुविधा से अधिक है। मौजूदा कोविड संकट और राज्यों में लॉकडाउन के बीच इस सुविधा से एमएसएमई का समर्थन अपेक्षित है।

विकासात्मक और नियामक नीतियों पर बयान में कहा गया है कि लघु और मध्यम अवधि में एमएसएमई की ऋण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे एमएसएमई और व्यवसायों पर अतिरिक्त ध्यान देने के साथ निवेश चक्र शुरू करने के लिए सिडबी को 16,000 करोड़ रुपये की विशेष लिक्विडिटी सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इसमें ऋण की कमी सहित अधिक महत्वाकांक्षी जिलों को शामिल किया गया है।

इसमें आगे कहा गया, डबल इंटरमीडिएशन, पूल्ड बॉन्ड, लोन जारी करने सहित अन्य मॉडलों और संरचनाओं के माध्यम से ऑन-लेंडिंग रीफाइनेंसिंग के लिए सुविधा का विस्तार किया जाएगा।

यह सुविधा प्रचलित पॉलिसी रेपो दर पर एक वर्ष तक की अवधि के लिए उपलब्ध होगी। आरबीआई ने कहा कि वह इसके उपयोग के आधार पर सुविधा के और विस्तार पर विचार कर सकता है।

गूगल ने किया पिक्सल बड्स ए-सीरीज का अनावरण

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर पर दुर्घटनावश पिक्सल बड्स ए-सीरीज की घोषणा करने के बाद अब गूगल ने सिर्फ 7228.04 रुपये में अपने नए टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स का अनारवण किया है। पिक्सल बड्स ए-सीरीज फिलहाल अमेरिका और कनाडा में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है, जिसे ग्राहकों को 17 जून तक पहुंचाया जाएगा।

कंपनी ने अपने एक बयान में कहा है, स्पीकर की क्षमताओं का पूरा लाभ उठाने के लिए एक बेहतरीन सील काफी जरूरी है, खासकर कम फ्रिक्वेंसी में इसकी आवश्यकता पड़ती है।

इसमें आगे कहा गया, हमने पिक्सेल बड्स ए-सीरीज को कोमल सील के साथ सुरक्षित रूप से फिट करने के लिए हजारों कानों को स्कैन किया है। लंबी समयावधि के साथ फिट को आरामदायक बनाए रखने के लिए एक स्थानिक वेंट लगाया गया है, जो इन-ईयर दबाव को कम करता है। नए पिक्सेल बड्स ए-सीरीज को एडेप्टिव साउंड के साथ पेश किया गया है, जो परिवेश के आधार पर वॉल्यूम को बढ़ाती या घटाती है। पिक्सेल बड्स ए-सीरीज को एक बार चार्ज पर पांच घंटे तक के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सीएसआर पर खर्च किए 1,140 करोड़

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2020-21 में 'कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी' (सीएसआर) के तहत 1,140 करोड़ रूपये खर्च किए।

कोरोना संक्रमण के कारण रिलायंस ने सीएसआर का बड़ा हिस्सा 'मिशन अन्न सेवा', आपदा प्रबंधन, ऑक्सीजन और कोरोना उपचार पर खर्च किया। इसके अलावा रूरल ट्रांसफॉर्म, एजुकेशन और खेलों के विकास पर भी बड़ी रकम खर्च की गई। पिछले वर्ष सीएसआर के तहत रिलायंस का कुल खर्च 1,022 करोड़ था। कोरोना की पहली लहर में जब प्रवासी मजदूर अपने घर लौट रहे थे तब रिलायंस ने देश में 'मिशन अन्न सेवा' शुरू की। किसी भी कॉर्पोरेट द्वारा चलाया गया यह देश का सबसे बड़ा भोजन वितरण कार्यक्रम है। रिलायंस ने करीब 27 लाख लोगों के लिए पांच करोड़ 50 लाख भोजन की व्यवस्था की। भोजन के बाद बड़ी मात्रा में मेडीकल ग्रेड कीऑक्सीजन का प्रबंध रिलायंस ने किया। दुनिया की सबसे बड़ी रिफायनरी, देश की सबसे बड़ी ऑक्सीजन उत्पादक बन कर सामने आई। आज रिलायंस की जामनगर रिफायनरी में करीब 1000 टन ऑक्सीन बना कर मुफ्त में जरूरतमंद राज्यों को दी जा रही है।

रोगियों को सही इलाज मिले इसलिए रिलायंस ने कोविड मरीजों के लिए 23 सौ बेड्स का संचालन और प्रबंधन अपने हाथों में ले लिया है। इसमें मुंबई मे स्थित देश का पहला कोविड अस्पताल भी शामिल है। इस दौरान 14 हजार एंबुलेंस को साढ़े पांच लाख लीटर ईंधन मुफ्त दिया गया। फ्रंट लाइन वर्कर्स को 81 लाख मास्क बांटे गए। जब देश में पीपीई किट का अकाल था तब रिलायंस ने अपने सिलवासा प्लांट में एक लाख पीपीई किट और मास्क बनाने शुरू कर दिए थे।

अपने कर्मचारियों को कोरोना वैक्सीन का सुरक्षा चक्र मिले इसलिए सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए 50 हजार टीकों की व्यवस्था रिलायंस कर रहा है। रूरल ट्रांसफॉर्मेशन के तहत रिलायंस ने गांवों में 131 लाख घन मीटर जल संचयन क्षमता का निर्माण किया है। ग्राम प्रशासन बेहतर हो इसके लिए 10 हजार के करीब निर्वाचित प्रतिनिधियों और ग्राम सेवकों को प्रशिक्षित किया है। बेरोजगारों को रोजगार के लिए 20 राज्यों के 150 शहरों में 8,800 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया गया।

सेबी ने म्युचुअल फंडों के लिए विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 1 अरब डॉलर कर दी

मुंबई। म्युचुअल फंड अब 7 अरब डॉलर की कुल उद्योग सीमा के भीतर एक अरब डॉलर तक का विदेशी निवेश कर सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रति म्यूचुअल फंड में निवेश की सीमा बढ़ाकर 1 अरब डॉलर कर दी।

एक परिपत्र में, पूंजी बाजार नियामक ने कहा कि निर्णय म्यूचुअल फंड उद्योग से

प्रतिनिधित्व के बाद लिया गया है।

सेबी ने यह भी निर्णय लिया कि म्यूचुअल फंड विदेशी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश कर सकते हैं, जो कि प्रति म्यूचुअल फंड में अधिकतम 300 मिलियन डॉलर, कुल उद्योग सीमा 1 अरब डॉलर के भीतर है।

एनएफओ के समय योजना दस्तावेजों में प्रकट की जाने वाली निवेश सीमा और चल रही योजनाओं पर निवेश की सीमा के संबंध में, ऐसी सीमाएं अब से केवल म्युचुअल फंड द्वारा मासिक आधार पर रिपोर्टिंग के लिए निर्धारित प्रारूप के माध्यम से 5 नवंबर, 2020 को सेबी के परिपत्र में कहा गया है।

'मिशन इम्पॉसिबल 7' में नजर आएंगे 'बाहुबली' फेम प्रभास?

सुपरस्टार प्रभास के चाहने वालों की लिस्ट बहुत लंबी है. एक्टर ने एक से एक शानदार फिल्मों में काम किया है. प्रभास को बाहुबली फिल्म से एक नई पहचान मिली है. देश ही नहीं विदेशों में बाहुबली फेम एक्टर को पसंद किया जाता है. ऐसे में अब प्रभास के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है. खबर के अनुसार प्रभास अब हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं.

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है,जिसमें दावा किया गया है कि हॉलीवुड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल 7' में प्रभास अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकते हैं. हालांकि इस बात पर किसी भी तरह की आधिकारिक मुहर अभी तक नहीं लगी है लेकिन इस खबर से फैंस के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है.

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके अनुसार सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'मिशन इम्पॉसिबल' की दो फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक क्रिस्टोफर मैकचेरी ने अपने अगले यानि की सातवें पार्ट के लिए सुपरस्टार प्रभास से संपर्क किया था. वह प्रभास को फिल्म के अगले पार्ट में अहम रोल के लिए लेना चाहते हैं.

कहा ये भी जा रहा है कि क्रिस्टोफर मैकचेरी और प्रभास की इस पर चर्चा भी हुई है. पोस्ट के अनुसार दोनों की मुलाकात हुई और ये मीटिंग तब हुई जब एक्टर राधे श्याम की शूटिंग के लिए इटली में थे. फिलहाल इस पर प्रभास की तरफ से कोई जानकारी नहीं मिली है.

जब से ये बात सामने आई कि प्रभास अब 'मिशन इम्पॉसिबल' में आ सकते हैं. फैंस की खुशी का ठिकाना नही हैं. पोस्ट के अनुसार तो एक्टर ने फिल्म के लिए हां तक कह दी है. हम नहीं कह सकते हैं कि ये पोस्ट असली है या फिर फेक है.

पवित्र रिश्ता ने मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं : अंकिता लोखंडे

टेलीविजन अभिनेत्री अंकिता लोखंडे रातों रात स्टार बन गई, जब उन्होंने दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के साथ डेली सोप पवित्र रिश्ता में जोड़ी बनाई, जो 12 साल पहले इसी दिन रिलीज हुई थी। इस अवसर को चिह्नित करते हुए, अभिनेत्री ने मंगलवार को प्रशंसकों के साथ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए कहा कि इस शो ने उन्हें वह बनाया जो वह आज हैं। अंकिता का पोस्ट शो के दृश्यों का एक कोलाज है जिसमें सुशांत और उनके साथ साथ हितेन तेजवानी सहित अन्य सह कलाकार शामिल हैं, जिन्होंने बाद

में शो में सुशांत को पुरुष प्रधान के रूप में बदल दिया था। शो के कलाकारों और क्रू को टैग करते हुए, अंकिता की पोस्ट में सुशांत का विशेष उल्लेख है, जो उनके पूर्व प्रेमी थे। अंकिता ने वीडियो शेयर कर लिखा, 12 साल, ओह, हाँ, पवित्र रिश्ता के 12 साल हो गए हैं, समय बहुत तेजी से उड़ता है। 66 से अधिक पुरस्कारों के साथ पवित्रा रिश्ता भारतीय टेलीविजन पर सबसे पसंदीदा शो में से एक बना हुआ है। इस प्रतिष्ठित शो के 12 शानदार वर्षों ने मुझे न केवल अर्चना बल्कि दुनिया भर में प्यार दिया और मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं। शो की निर्माता एकता कपूर ने भी इंस्टाग्राम पर पवित्र रिश्ता को याद किया। उन्होंने लिखा, दर्द, प्यार और गुस्सा से इस शो का अब तक का सबसे शुद्ध बंधन बनाता है। आपने मेरे करियर को फिर से जीवित किया, मुझे जीवन भर के बंधन दिए! थैंक्यू यू।

बुरे वक्त के बीतने तक हमें पॉजिटिव बने रहना है : सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने देश में जारी कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान कुछ ऐसी बातें कही हैं, जिनसे उनके प्रशंसकों में उम्मीदों का संचार होगा।

सलमान कहते हैं, मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब तक यह बुरा वक्त नहीं बीत जाता है, तब तक हमें पॉजिटिव बने रहना है। यह एक दौर है, जो बीत जाएगा। मैं जानता हूं कि हम सभी इस वक्त एक मुश्किल घड़ी में से होकर गुजर रहे हैं, लेकिन हमें विश्वास बनाए रखना है और यथासंभव एक-दूसरे की मदद करते रहना है।

इस बीच सलमान खान छोटे पर्दे पर अपने मशहूर दबंग किरदार इंस्टेक्टर चुलबुल पांडे के एनिमेटेड अवतार के लिए काफी रोमांचित हैं। दबंग : द एनिमेटेड सीरीज सलमान से सलमान के प्रशंसकों का खूब मनोरंजन होने वाला है। सलमान कहते हैं, दबंग : द एनिमेटेड सीरीज दबंग का एक रूपांतरण और पुनर्कल्पना है।

संतरे के टैंगी फ्लेवर से तैयार करें टेस्टी खीर

संतरे का टैंगी फ्लेवर अगर अच्छा लगता है तो क्यों न इससे एक ऐसा डेजर्ट तैयार किया जाए, जिसका स्वाद हर किसी को आएगा पसंद। तो आइए आज बनाते हैं संतरे की खीर।

सामग्री :

संतरे- 2, दूध- 1 लीटर, चीनी- 1 कप, केसर- 5-6 धागे, इलायची पाउडर- 1/2 टेबलस्पून, पिस्ता- 5-6(बारीक कटा हुआ), बादाम- 6-7(बारीक कटे हुए), किशमिश- 10-15

विधि :

संतरे की खीर बनाने के लिए सबसे पहले संतरे को छीलकर संतरे के अंदर की स्किन को निकाल दें और एक प्लेट में निकालकर रख दें।

अब एक कड़ाही में दूध को छान लें और दूध को चलाते हुए उबाल लें, जब दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए तब इसमें चीनी डालकर कुछ और देर तक लगातार चलाते हुए उबाल लें। जब दूध का कुछ कलर बदलने लगे और वो गाढ़ा होने लगे तब गैस बंद कर दें और दूध को करीब 6-7 मिनट के लिए ठंडा होने दें।

अब इस दूध में संतरे के छिले हुए पल्प को डालकर मिक्स करें और ऊपर से इलायची पाउडर, पिस्ता, बादाम और किशमिश डालकर मिक्स कर लें। इसे ठंडा या गर्म दोनों ही तरह से सर्व कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 100

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

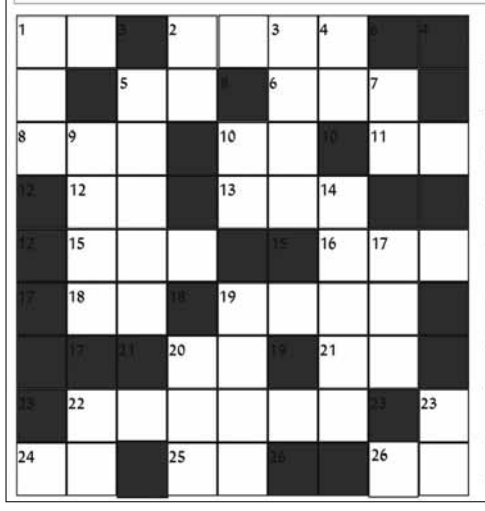

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

सू-दोकू- 100

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.99 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

आज का राशिफल

मेषः- आज का दिन अच्छा रहेगा। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। नौकरी और व्यावसायिक स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा।

वृषभः- विद्याप्राप्ति के लिए आज का दिन अनुकूल है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। आय में वृद्धि के योग रहेंगे। आर्थिक आयोजन भी अच्छी तरह से होंगे।

मिथुनः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्कः- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसायी अच्छा लाभ कमाएंगे। आमदनी बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे और अनुभवों का लाभ मिलेगा। कारोबार से जुड़ी यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंहः- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी, लेकिन अपने प्रयासों से कारोबार में मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है।

कन्याः- आज का दिन अच्छा रहेगा। धनप्राप्ति के योग रहेंगे। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है।

तुलाः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। अनावश्यक खर्च अधिक होंगे, लेकिन आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के अवसर मिलेंगे। परिवारजनों के साथ कलह होने की संभावना है।

वृश्चिकः- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा और तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

धनुः- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्य क्षेत्र में प्रगति के अवसर में मिलेंगे। उच्च अधिकारियों पर आपके कार्य का सकारात्मक असर होने से आप पर प्रसन्न रहेंगे।

मकरः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। सरकारी काम पूरे कर सकेंगे। कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा।

कुम्भः- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धन लाभ होने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीनः- आज का दिन शुभ रहेगा। मनोरंजन के भरपूर अवसर मिलेंगे। मित्रों के साथ पार्टी या पिकनिक पर जा सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर रहेंगे। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिश्रम की अधिकता रहेगी।